

# सोशल मीडिया का परिवार पर प्रभाव: एक अध्ययन

प्रशांत कुमार सिंह

प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, पं० ललित मोहन शर्मा परिसर, ऋषिकेश

## प्रस्तावना

समाज में तेजी से बदलते समय के साथ सोशल मीडिया ने हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव डालना शुरू किया है। इसमें से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है - परिवार और सामाजिक संबंधों में। यह अध्ययन परिवार पर प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करता है और इस परिवर्तन के पीछे छिपे सिद्धांतों और समस्याओं को गहराई से समझने का प्रयास करता है।

मुख्य शब्द:- पलायन, लोक, संस्कृति, संगीत

## समस्या का परिचय:

आजकल के परिवारों को इस सोशल मीडिया के युग में अनगिनत चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। परिवार का स्वरूप, संबंध, और संवेदनशीलता में सुधार हो रहा है, जिसमें सामाजिक मीडिया का बड़ा हाथ है। यह अध्ययन इस परिवर्तन की मुख्य दिशाओं को निरूपित करने का प्रयास करेगा और इसका गहराई से विश्लेषण करेगा।

## आवश्यकता:

इस अध्ययन का आयोजन समाज में सोशल मीडिया के प्रभाव को समझने और उसके परिवर्तन से जुड़े सामाजिक संबंधों की समझ में मदद करने के लिए किया जा रहा है। इस संदर्भ में, हम सोशल मीडिया के द्वारा पारिवारिक संबंधों में हो रहे बदलावों को पहचानेंगे और उनके प्रभाव को समझेंगे, ताकि हम समृद्ध पारिवारिक संबंधों की सहायता के लिए सशक्तिकरण की गाथा रच सकें।

## साहित्य समीक्षा:

सोशल मीडिया का परिवारों और समाज पर असर डालने के विषय में हिंदी साहित्य समीक्षा ने एक नए दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया है। इस प्रबंध के सामाजिक मीडिया के प्रभाव पर विचार करने का उद्देश्य इस परिवर्तन को गहराई से समझना है और यहां हम उन अध्ययनों की सामग्री को संगृहीत करते हैं जो इस विषय पर किए गए हैं।

सोशल मीडिया और परिवार संबंध - विताक और उसके सहयोगी (2011) ने एक अध्ययन के माध्यम से सोशल मीडिया के प्रयोग से परिवार संबंधों में कैसे परिवर्तन आए हैं, इसे समझने का प्रयास किया। उनका अध्ययन साझा विचारों की महत्वपूर्णता को बढ़ाता है और सोशल मीडिया के माध्यम से परिवार के

सदस्यों के बीच एक सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंध की ओर प्रवृत्ति दिखाता है।

सोशल मीडिया और सहयोग - एलिसन और उनके सहयोगी (2007) ने सोशल मीडिया के उपयोग से सामाजिक पूंजीवाद की महत्वपूर्णता पर विचार प्रकट किया है। उनका अध्ययन दिखाता है कि व्यक्तिगत और सामाजिक स्तरों पर सोशल मीडिया का सहयोग बढ़ाने से समाज में सहयोग और सामंजस्य की भावना में सुधार हो रहा है।

ऑनलाइन संबंध और किशोरों की दुनिया - मेश (2009) ने ऑनलाइन संबंध और किशोरों के बीच कैसे बदलाव आया है, इसका विश्लेषण करके एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। उनकी शोध ने यह दिखाया है कि सोशल मीडिया का उपयोग करने से किशोरों के बीच संबंध में वृद्धि हो रही है, लेकिन इसके साथ ही कुछ चुनौतियां भी हैं।

ये साहित्यिक स्रोत हमें यह सिखाते हैं कि सोशल मीडिया का प्रयोग परिवार, समाज, और व्यक्ति के बीच संबंधों में सुधार की संभावनाओं को सुझाते हैं, लेकिन यह साथ में चुनौतियों को भी प्रस्तुत करते हैं। इस साहित्य समीक्षा के आधार पर हम सुनिश्चित हो सकते हैं कि सोशल मीडिया न केवल हमारे संबंधों को बदल रहा है बल्कि हमारी सोच और समाज को भी प्रभावित कर रहा है।

इस साहित्य समीक्षा के आधार पर हम अपने अध्ययन को एक स्थानीय और सांस्कृतिक संदर्भ में स्थापित कर सकते हैं, जिससे सामाजिक मीडिया के प्रभाव को समझने में मदद मिलेगी और हम सुरक्षित और सकारात्मक उपयोग के लिए दिशा प्रदान कर सकते हैं।

## शोध पद्धति

इस अध्ययन में हम ने एक मिश्रित शोध पद्धति का चयन किया है। हमने विश्लेषणात्मक और सृजनात्मक शोध दोनों के पहलुओं को मिलाकर सभी-व्यापक और संपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान करने का निर्णय लिया है।

आंकड़ा संग्रहण : इस अध्ययन में हम प्राथमिक तथा द्वितीयक, दोनों तरह के आंकड़ों का उपयोग करेंगे।

प्राथमिक आंकड़ों के लिए हम साक्षात्कार प्रश्नावली और अनुसूची की प्रविधि का इस्तेमाल करेंगे जब कि द्वितीयक आंकड़ों के लिए हम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों, पुस्तकों और अन्य संबंधित स्रोतों का इस्तेमाल करेंगे।

आंकड़ा विश्लेषण: हम ने आंकड़ा विश्लेषण के लिए क्वांटिटेटिव और क्वालिटेटिव तकनीकों का समृद्ध उपयोग करने का निर्णय लिया है।

निष्णादन योजना: इस अध्ययन को कैसे पूरा किया जाएगा, इस के लिए हमने एक निष्णादन योजना तैयार की है। इस में हम ने डेटा संग्रहण, विश्लेषण, और प्रस्तुतिकरण की स्थिति का विवरण किया है। इसके माध्यम से हमने यह सुनिश्चित किया है कि अध्ययन की तकनीक और उद्देश्य स्पष्ट हैं तथा विवरण और योजना से पता चलता है कि अध्ययन कैसे आगे बढ़ाया जाएगा। यह सुनिश्चित करना हमारी शोध प्रक्रिया को सुचारु रूप से और प्रभावी ढंग से पूरा करने में सहायक होगा।

## सामाजिक मीडिया का परिवारों पर प्रभाव पारिवारिक संबंधों में परिवर्तन

इस अध्ययन का आयोजन समाज में सोशल मीडिया के प्रभाव को समझने और उसके परिवर्तन से जुड़े सामाजिक संबंधों की समझ में मदद करने के लिए किया जा रहा है। इस संदर्भ में, हम सोशल मीडिया के द्वारा पारिवारिक संबंधों में हो रहे बदलावों को पहचानेंगे और उनके प्रभाव को समझेंगे, ताकि हम समृद्ध पारिवारिक संबंधों की सहायता के लिए सशक्तिकरण की गाथा रच सकें।

दूरस्थ संबंध: सामाजिक मीडिया के उपयोग से लोग अपने परिवार के सदस्यों के साथ दूरस्थ संबंधों को बनाए रख सकते हैं। यह शानदार तरीका है जिससे वे अपने परिवार के सदस्यों के साथ नवीनतम खबरों और घटनाओं के साथ जुड़े रह सकते हैं, भले ही वे फिजिकल रूप से दूर हों। यह एक नया पैरा डाइम बना रहा है जिसमें सामाजिक मीडिया ने पारिवारिक संबंधों को सरस्ती से बाँधा है।

साझा रूप से अनुभव : सामाजिक मीडिया के माध्यम से, परिवार के सदस्य विभिन्न भूमिकाओं, अवसरों और अनुभवों को साझा कर सकते हैं। छोटी घटनाओं से लेकर बड़ी खुशियों तक, सभी

को एक साथ जीने का अवसर मिलता है, भले ही वे भौतिक रूप से दूर हों। यह साझा रूप से अनुभव सामाजिक मीडिया को एक परिवार में संबंध बनाए रखने का साधन बनता है।

संचार का नया स्वरूप : पहले के मुकाबले, सामाजिक मीडिया ने संवेदनशील संबंध बनाए रखने के लिए नया मंच प्रदान किया है। चैट, वीडियो कॉल, और ऑडियो संदेशों के माध्यम से संवेदनशीलता में वृद्धि हो रही है और यह लोगों को एक-दूसरे के साथ संपर्क में रहने का एक नया तरीका प्रदान कर रहा है।

सामाजिक मीडिया का संबंधों का प्रभाव : इसके अलावा, सामाजिक मीडिया ने पारिवारिक संबंधों में नए दृष्टिकोण और समस्याएं उत्पन्न की हैं, जैसे कि ऑनलाइन वाद-विवाद और गोपनीयता के मुद्दे।

## संचार की बढ़ती जरूरत

सामाजिक मीडिया ने नए और सुदृढ़ संवाद के लिए परिवार के सदस्यों के बीच संचार की बढ़ती जरूरत को बढ़ाया है, जो एक नये डिजिटल युग में साथी और मजबूत रिश्तों को साधने में मदद कर रहा है। इस प्रकार की संचार की बढ़ती आवश्यकता का पूरा होना नए तरीके से रिश्तों को संवारने और मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है।

त्वरित संदेशन : सामाजिक मीडिया ने त्वरित संदेशन की सुविधा उपलब्ध करा के परिवार के सदस्यों के बीच संवाद को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। यह आधुनिक जीवन शैली में व्यस्तता भरे समय में, व्यक्तिगत और गहरे संवाद के लिए एक माध्यम प्रदान करता है, जिससे परिवार के सदस्य अपनी बातें, अनुभव, और छोटी-मोटी खुशियाँ एक दूसरे के साथ साझा कर सकते हैं।

साझा सामग्री : सामाजिक मीडिया ने परिवार के सदस्यों को उनके दैनिक और मानसिक अनुभवों को साझा करने के लिए अनूठा माध्यम प्रदान किया है। फोटो, वीडियो, और साझा सामग्री के माध्यम से परिवार के सदस्य अपनी जीवनी, छवियाँ, और दैनिक स्वास्थ्य के बारे में अधिक से अधिक जानकारी साझा कर सकते हैं, जिससे रिश्तों में गहराई बढ़ती है।

वीडियो कॉलिंग : सामाजिक मीडिया के माध्यम से वीडियो कॉलिंग के विकास ने दूरस्थ स्थानों पर रहने वाले परिवार के सदस्यों के लिए एक नया आयाम बनाया है। यह न केवल फेस टू फेस बातचीत का मौका प्रदान करता है, बल्कि इससे सदस्य आपसी संबंध को बनाए रख सकते हैं, जैसे कि किसी भी सामाजिक गतिविधि, खुशी के पल, और आपसी समर्थन का साक्षात्कार कर सकते हैं।

सामाजिक समूह : सामाजिक मीडिया ग्रुप्स और पेजेस के माध्यम से विशेष विषयों पर विचार विमर्श करने का एक स्थान प्रदान करता है, जिससे परिवार के सदस्य अपने विचार, राय, और ज्ञान को साझा कर सकते हैं। यह एक सामूहिक माहौल बनाता है जो एक-दूसरे के साथ जुड़ने और सीखने का एक महत्वपूर्ण माध्यम प्रदान करता है।

विशेषज्ञ समूह : सामाजिक मीडिया पर विशेषज्ञ समूहों की शुरुआत ने विशिष्ट क्षेत्रों में अधिक समझदारी और ज्ञान को प्रोत्साहित किया है। इन समूहों में

शामिल होकर परिवार के सदस्य नए क्षेत्रों में शिक्षित हो सकते हैं, और इससे उनकी व्यक्तिगत और पेशेवर विकास को बढ़ावा मिलता है।

प्राइवैसी और सुरक्षा का प्रश्न : सामाजिक मीडिया के प्रचलन और विकास ने सामाजिक जगत में नए मुद्दे पैदा किए हैं, जिनमें प्राइवैसी और सुरक्षा सब से महत्वपूर्ण हैं। जब सदस्य अपनी व्यक्तिगत जानकारी, छवियाँ, और अन्य सामाजिक सूचनाएं साझा करते हैं, तो यह उन्हें नई सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा : सामाजिक मीडिया ने अपने प्रयोक्ताओं को व्यक्तिगत जानकारी को साझा करने के लिए उत्तेजना दी है, लेकिन इसके साथ ही यह यह भी सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखा जाए। विभिन्न सुरक्षा उपायों का अनुसरण करके और सुरक्षित पास वर्डों का उपयोग करके, सदस्य यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि उनकी जानकारी केवल उनके इच्छित साझा करने वालों के साथ होती है।

सोशल इंजनियरिंग और फिशिंग आक्रमण : सामाजिक मीडिया पर सुरक्षा की एक और बड़ी चुनौती सोशल इंजनियरिंग और फिशिंग आक्रमण हैं, जिसमें उपयोक्ताओं को धोखा घड़ी से व्यक्तिगत जानकारी प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। वायरस, मैलवेयर, और अन्य सुरक्षा खतरे भी इसमें शामिल हो सकते हैं, जिनसे सदस्यों की निजता को खतरे में डाला जा सकता है।

सोशल मीडिया पॉलिसी और सूचना का संरक्षण : इस मुद्दे को समझते हुए, सामाजिक मीडिया प्लेटफॉर्म सुरक्षा के मामले में नवीनतम नीतियों और नियमों को लागू कर रही हैं ताकि सदस्यों की निजता सुरक्षित रहे। सामाजिक मीडिया पर सूचना साझा करने से पहले, सदस्यों को प्लेटफॉर्म की नीतियों को समझने

और अपनी सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए समर्थ बनाए रखना चाहिए।

यह सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि जब लोग सामाजिक मीडिया का उपयोग करते हैं, तो वे अपनी प्राइवैसी और सुरक्षा के बारे में सकारात्मक कदम उठाएं। उन्हें चाहिए कि वे अपने खाते की सुरक्षा के लिए सचेत रहे, अपनी जानकारी को सावधानी पूर्वक संशोधित करें, और अगर कोई संदेहजनक गतिविधि होती है, तो तुरंत प्लेटफॉर्म की रिपोर्टिंग और सुरक्षा विभाग से सहायता प्राप्त करें। सामाजिक मीडिया का सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग करने से सदस्य नए और स्थिर रिश्तों का आनंद ले सकते हैं बिना किसी सुरक्षा का खतरा उठाए। इसी तरह सोशल मीडिया पर प्राइवैसी की सुरक्षा भी कम चुनौती पूर्ण नहीं है।

## परिणाम : इस अध्ययन के परिणामों के आधार पर, हम निम्नलिखित सारांश प्रस्तुत करते हैं -

सामाजिक मीडिया का परिवारों पर प्रभाव : सोशल मीडिया के प्रचलन से परिवारों के बीच संबंध मजबूत हो रहे हैं। लोग अब अपनी खुशियों, संघर्षों, और दिनचर्या को सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं, जिससे परिवार के सदस्यों के बीच एक नया संवाद बना है।

संवाद की बढ़ती आवश्यकता : इस अध्ययन ने दिखाया है कि सोशल मीडिया ने संवाद की बढ़ती आवश्यकता को उत्तेजित किया है। लोग अब विभिन्न विषयों पर अपने विचारों और अनुभवों को साझा कर रहे हैं, जिससे एक गहरा संवाद बन रहा है और सहयोग की भावना मजबूत हो रही है।

गोपनीयता और सुरक्षा के मुद्दे : एक और महत्वपूर्ण फाइंडिंग यह है कि लोग अपनी निजी जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए सोशल मीडिया पर नए उपायों की तलाश में हैं। यह नई तकनीकी चुनौतियों के साथ साथ व्यक्तिगत गोपनीयता की प्राथमिकता को बढ़ा रहा है।

सोशल मीडिया और परिवारिक संबंध : हमारा अध्ययन दिखा रहा है कि सोशल मीडिया के प्रचलन से परिवारिक संबंधों में नए आयाम आ रहे हैं। सदस्य अब विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक दूसरे के साथ जुड़े हैं,

जिससे वास्तविक जीवन में समृद्धि हो रही है।

सोशल मीडिया का प्रभाव : सोशल मीडिया के प्रभाव से परिवारिक संबंधों में एक नया दृष्टिकोण सामने आया है। लोग अपनी खुशियों, चुनौतियों, और साझा करने का तरीका सोशल मीडिया पर बदल रहे हैं, जिससे एक समृद्धि और सहयोग भरा परिवार दृष्टिगत हो रहा है।

परिवारों में परिवर्तन : हमारे अध्ययन से प्रकट हो रहा है कि सोशल मीडिया के उपयोग से परिवारों में बड़े परिवर्तन आ रहे हैं। लोग अब अपने जीवन के कई पहलुओं को सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं, जिससे उनके बीच एक नया संबंध बन रहा है। सोशल मीडिया ने परिवारिक संबंधों को एक नए स्तर पर ले जाकर उन्हें अधिक खुले और सहयोगी बना दिया है। इससे नए जीवन मॉडल्स, और सहयोगी संबंधों का आदान-प्रदान हो रहा है।

समाज पर प्रभाव : इसके अलावा, हमें यह भी दिखाई देता है कि सोशल मीडिया का परिवारों के अलावा समाज में भी कैसा प्रभाव हो रहा है। सामाजिक मीडिया ने एक सार्वजनिक मंच प्रदान किया है जिससे लोग अपने विचार, अनुभव, और समस्याओं को साझा कर सकते हैं। इससे समाज में सामंजस्य और सहयोग की भावना मजबूत हो रही है। लोग अब अपनी राय देने के लिए सोशल मीडिया का सही तरीके से उपयोग कर रहे हैं और इसके माध्यम से समस्याओं का समाधान ढूंढ रहे हैं। इस अध्ययन के परिणामों और चर्चा के माध्यम से हमने देखा है कि सोशल मीडिया ने हमारे समाज और परिवार में कैसे बदलाव लाया है। यह न केवल एक जरूरत बन गया है, बल्कि एक बदलते युग की अमूर्त सूचक है जो हमें नए संबंध और सामाजिक मॉडल्स की दिशा में बदल रहा है। इसे सही तरीके से समझ कर और इसके सकारात्मक पहलुओं को नकारात्मक से अधिक बढ़ावा देते हुए हम सोशल मीडिया का सही रूप से उपयोग कर सकते हैं ताकि हम एक सुखमय, सुरक्षित और सह जीवन बना सकें।

यह अध्ययन दिखाता है कि सोशल मीडिया के उपयोग से परिवारों के संबंधों में सकारात्मक परिवर्तन हो रहे हैं। लोग अब अपनी खुशियों, चुनौतियों, और दिनचर्या को सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं, जिससे परिवार के सदस्यों के बीच एक नया संवाद बना है।

इस अध्ययन से हमने देखा है कि सोशल मीडिया ने समाज में सहयोग और सामंजस्य की भावना को बढ़ावा दिया है। लोग अब विभिन्न विषयों पर अपने विचारों और अनुभवों को साझा कर रहे हैं, जिससे एक सजीव और साहित्यिक समृद्धि बढ़ रही है।

महत्व : यह अध्ययन हमें सोशल मीडिया के प्रभाव के महत्वपूर्ण पहलुओं की समझ प्रदान करता है जो हमारे समाज और परिवार को कैसे प्रभावित कर रहे हैं। सोशल मीडिया ने नए संबंध बनाए

हैं, सामाजिक समृद्धि को बढ़ावा दिया है, और व्यक्तिगत और सामाजिक स्तरों पर सहयोग बढ़ाया है।

**भविष्य की दिशा :** इस अध्ययन के आधार पर हमारा मानना है कि हमें सोशल मीडिया के सकारात्मक पहलुओं का उचित रूप से उपयोग करना चाहिए और इसे सावधानीपूर्वक समझना चाहिए। विभिन्न स्तरों पर समाज में सहयोग और सामंजस्य को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया का सही रूप से उपयोग करने से हम एक सकारात्मक, सहजीवन, और समृद्ध समाज की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

**सारांश :** इस अध्ययन से हम निष्कर्ष निकलते हैं कि सोशल मीडिया को सही तरीके से उपयोग करने से ही हम इसके सकारात्मक लाभ उठा सकते हैं और इसे अपने सामाजिक और परिवारिक जीवन को सुधारने के लिए एक सकारात्मक साधन बना सकते हैं। सोशल मीडिया का सदगुण सही तरीके से सहयोग और समाज में जुड़ाव को बढ़ावा देने में सक्षम है, जिससे हम एक समृद्धि और विश्वास युक्त समाज की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

इस अध्ययन के माध्यम से हमने यह भी देखा है कि लोग अब अपनी जीवन की विभिन्न पहलुओं को सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं और इससे उनके संबंधों में नए दृष्टिकोण आ रहा है। परिवारों के बीच बेहतर संबंध, समर्थन और समझौता हो रहा है जो एक स्वस्थ और सजीव परिवार की नींव है। सोशल मीडिया ने नए सामाजिक मॉडल्स बनाए हैं और लोगों को एक दूसरे से जुड़ने का माध्यम प्रदान किया है, जिससे समाज में एक संबंधित और सामंजस्यपूर्ण वातावरण बना है।

सोशल मीडिया का उपयोग सावधानीपूर्वक करना महत्वपूर्ण है, और हमें इसके नकारात्मक पहलुओं को भी समझना चाहिए। प्राइवैसी, सुरक्षा, और सोशल मीडिया के उपयोग के तरीकों पर ध्यान देना आवश्यक है ताकि हम इस तकनीकी युग में अपनी निजी और सामाजिक जीवन को सुरक्षित रख सकें।

**समापन :** इस अध्ययन के माध्यम से हम यह समझते हैं कि सोशल मीडिया हमारे समाज और परिवार में सामाजिक परिवर्तन लाने का कारण बना है। यह नए संबंध और नए सामाजिक मॉडल्स बना रहा है और लोगों को एक साथ जोड़ने का एक साधन प्रदान कर रहा है। हमें इस तकनीकी उन्नति के साथ सही तरीके से सामना करने और इस का ही तरीके से उपयोग करने की आवश्यकता है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि सोशल मीडिया सभी सदस्यों के लिए सही नहीं हो सकता है और कुछ लोग इसका अधिक उपयोग करते हैं, जबकि दूसरे इससे दूर रहना पसंद करते हैं। इसलिए, हमें अपने और अन्यो के लिए सोशल मीडिया के प्रभाव को समझने और संतुलन करने का प्रयास करना चाहिए।

इस अध्ययन से हमारा उद्देश्य सोशल मीडिया के प्रभाव को समझकर एक सकारात्मक और समझदार समाज की दिशा में कदम बढ़ाना है। अगर हम सोशल मीडिया का सही तरीके से उपयोग करते हैं, तो यह हमें एक-दूसरे से जोड़ता है, जिससे समाज में सामंजस्य बना रहता है और हम साथ में बढ़ते हैं।

इस अध्ययन के आधार पर, हम यह भी कह सकते हैं कि सोशल मीडिया ने हमें एक नए संबंध, विचारशीलता, और सामाजिक सहयोग के साथ समृद्धि की दिशा में प्रेरित किया है। इससे हमें विभिन्न समृद्धि के क्षेत्रों में नए दृष्टिकोण मिलते हैं, जिससे हम अपनी सोच बदल सकते हैं और समाज को सुधारने में योगदान कर सकते हैं।

सोशल मीडिया का सही तरीके से प्रबंधन कर के हम एक बेहतर और संतुलित समाज की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं जो सभी को समृद्धि और सुख-शांति की दिशा में आगे बढ़ने में सहायक हो सकता है।

## References

---

- Fukuyama, F.(1989). The End of History, The National Interest.3-18. Summer.
- Huntington, S. P. (1993): The Clash of Civilizations. Foreign Affairs. Summer. 22-49.
- Huntington, S. P. (1993a). If not Ideology What? Paradigms of the Post-Cold War World. Foreign Affairs. pp.186-194.
- Tagore, R. (1326 BS/1919). Japan Jatri (in Bengali) [The Pilgrim to Japan]. Santi Niketan: Jag Ananda Ray, Brahmacharyashram.
- Tagore, R. (2015). Rabindra Prabandha Samagra (in Bengali) [The Full Collection of Tagore's Essays]. Kamini.
- Vivekananda, S. (1977). 'Bartaman Bharat' (in Bengali) [Contemporary India] in Vivekananda Rachanasangraha, Volume VI. Boipatra. pp. 274-292.
- Ashis Nandy, The Illegitimacy of Nationalism, New Delhi: Oxford University Press, 1994, pp. 94